2017

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

20 पृष्ठीय

[redacted]

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

[redacted]

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक: C- 0527880

परीक्षार्थी का रोल नम्बर (अंकों में): 1 7 1 4 4 3 7 3 3

[redacted]

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 01 शब्दों में एक

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 21

ग :– परीक्षा का दिनांक 22 03 2017

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हाई स्कूल परीक्षा C. No. 142228

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर: आरती तिवारी, Tiwari

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा: हरवंश ठाकुर (व.अ.), शा.उ.मा.विद्यालय,आरंभा, परी.क्र.-781762

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा: एन.के.[illegible] (उ.अ.), शा.उ.मा.वि.[illegible], परी.क्र 781773

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		2
14		2
15		2
16		2
17		3
18		2
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		
		96/100

M.D.MURKUTE (Lect.)
V.NO.- 781753

DARYEDUCATIONMADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYA

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र०(1) का उत्तर

(i) ब्रज

(ii) अमल धवल गिरि पर

(iii) महादेवी वर्मा

(iv) सर्वज्ञ

(v) शिबू

प्रश्न क्र०(2) का उत्तर

(i) कुंडलियाँ

(ii) रीतिकाल

(iii) आलम्बन

(iv) व्यंग्य निबंध

(v) फ्रेंच

BSE

③ [ ] + [ ] = [ ]

पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ के अंक | कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (3) का उत्तर

(i) असत्य

(ii) असत्य

(iii) सत्य

(iv) असत्य

(v) सत्य

प्रश्न क्र. (4) का उत्तर

(i) जिसके नीचे रेखा खींची गई हो - रेखांकित

(ii) पंचवटी - खण्डकाव्य

(iii) पुरुषोत्तम को सभी जानते थे - सत्यवादिता के लिए

(iv) देशभक्ति - तत्पुरुष समास

(v) श्रीकृष्ण के गुरु - सांदीपनि

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (5) का उत्तर

(i) हरिशंकर परसाई

(ii) फूलों की तरह होता है। ललित कलाऐं अपने मन से बढ़ती व खिलती आई हैं।

(iii) बिना विचार कार्य करने से मनुष्य को बाद में पछताना पड़ता है।

(iv) ~~अनुभाव~~ संचारी भाव

(v) सच्चरित्र - सत् + चरित्र = व्यंजन संधि

प्रश्न क्र. (6) का उत्तर (अथवा)

कुब्जा कुबड़ी तथा कुरुप स्त्री थी। वह कंस की दासी थी। श्रीकृष्ण ने कृपापूर्वक उसे अपना विश्वासपात्र बना लिया। तथा उसके कूबड़ को सीधा करके उसका उद्धार कर दिया।

प्रश्न क्र. (7) का उत्तर

कवि अज्ञेय के अनुसार काँटे की मर्यादा कठोरता तथा तीखापन है। अर्थात् काँटे की मर्यादा सभी को कष्ट देना है।

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (8) का उत्तर

'उद्‌बोधन' कविता में भ्रामरी वीरों का अभिनंदन करती है।

प्रश्न क्र. (9) का उत्तर

कोरा पद प्राप्त कर लेने से कोई व्यक्ति सम्मान का पात्र नहीं बन जाता, सम्मान के पात्र केवल वही व्यक्ति होते हैं जो परहित के कार्य करते हैं।

प्रश्न क्र. (10) का उत्तर (अथवा)

श्रद्धा मनु को एकांत में शांत तथा विभ्रांत देखकर आनंद तथा आश्चर्य से भर उठती है। मणि के समान आलोकित मनु को देखकर श्रद्धा के मुख से अचानक निकलता है, - चारों ओर तुम्हारा मंगल आलोक फैला है। ऐसे दिव्य तुम कौन हो। श्रद्धा के इस संगीत स्वर को एकांत में सुनकर मनु को हर्षमिश्रित झटका-सा लगता है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (11) का उत्तर

दीवान सुजान सिंह एक कर्त्तव्यनिष्ठ तथा अनुभवी व्यक्ति है। वह अपना कर्म पूरी ईमानदारी से करते हैं। अपने इस अनुभवी व ईमानदार ~~दीवान~~ दीवान का इसलिए राजा उसका आदर करते हैं।

प्रश्न क्र. (12) का उत्तर (अथवा)

गीता शास्त्र के महान उपदेशक श्री कृष्ण हैं।

प्रश्न क्र. (13) का उत्तर (अथवा)

'मातृभूमि का मान' एकांकी के आधार पर वीर सिंह के चरित्र की दो विशेषताएँ निम्न हैं:-

(i) वीरसिंह एक सच्चा देशभक्त है।

(ii) वीरसिंह को अपनी मातृभूमि 'बूँदी' अपने प्राणों से अधिक प्रिय थी। इसलिए वह नकली बूँदी के दुर्ग की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान कर देता है।

EDUCATIONMADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (14) का उत्तर

स्वर्ग की तुलना उस स्थान से की गई है जहाँ सभी सुख-सुविधाएँ उपलब्ध हो। सभी प्रकार के आनंदो का विधान हो। भारत में अभी विभिन्न प्रकार की समस्याएँ है। जिस कारण यहाँ स्वर्ग की नींव का पता नहीं चल पाया है। लेकिन जब यहाँ सुख-सुविधा सम्पन्न जीवन की रचना हो जाएगी। अर्थात् सृजनशील कार्यों से स्वर्ग की नींव का पता लगाया जा सकता है।

प्रश्न क्र. (15) का उत्तर

एक शब्द में उत्तर

(i) आस्तिक

(ii) अनाथ

प्रश्न क्र. (16) का उत्तर

हास्य रस :- सहृदय के हृदय में स्थित हास नामक स्थायी भाव का संयोग जब विभाव, अनुभाव तथा संचारी भाव से होता है। वहाँ हास्य रस उत्पन्न होता है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (17) का उत्तर

धर्मवीर भारती के अनुसार "अधबनी धरा" पर अभी सुंदर सजावट, स्वर्ग की नींव, सुखमय जीवन की स्थापना तथा श्रेष्ठ जीवन की रचना होना शेष है। सृजनशील कार्यों से ही 'अधबनी धरा' पर इन सभी की रचना हो सकती है।

प्रश्न क्र. (18) का उत्तर (अथवा)

महाकाव्य	खण्डकाव्य
(i) महाकाव्य में नायक-नायिका के सम्पूर्ण जीवन का विशद् रूप से वर्णन होता है।	(i) खण्डकाव्य में नायक-नायिका के जीवन के किसी एक खण्ड का वर्णन किया जाता है।
(ii) इसमें श्रृंगार, वीर तथा शांत रस में से किसी एक रस की प्रधानता रहती है।	(ii) इसमें श्रृंगार तथा करुण रस प्रधान होता है।
(iii) इसमें अनेक छंदों का प्रयोग किया जाता है।	(iii) इसमें केवल एक छंद का प्रयोग होता है।

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र॰ (19) का उत्तर (अथवा)

(i) मनोभाव - मन + उभाव - गुण स्वर संधि

(ii) अत्याधुनिक - अति + आधुनिक - यण स्वर संधि

(iii) जगन्नाथ - जगत् + नाथ - व्यंजन संधि

प्रश्न क्र॰ (20) का उत्तर (अथवा)

छायावाद की प्रमुख विशेषताएँ निम्न हैं-

(i) छायावादी काव्य में देशप्रेम तथा राष्ट्रभक्ति की भावना को व्यापक स्थान मिला। प्रकृति का रम्य वर्णन भी किया गया। प्रकृति का मानवीकरण भी किया गया।
(ii) छायावादी काव्य में सामाजिक अंधविश्वासों तथा रूढ़ियों के प्रति विरोध प्रकट किया गया। इसमें व्यक्तिवाद की प्रधानता रही।

कवि	रचनाएँ
(1) जयशंकर प्रसाद	कामायनी, लहर
(2) सुमित्रानंदन पंत	पल्लव, ग्रंथि
(3) महादेवी वर्मा	नीरजा, नीहार
(4) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	परिमल, तुलसीदास

[ ] + [ ] = [ ]
योग पृष्ठ अंक
SECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० (21) का उत्तर (अथवा)

नाटक	एकांकी
(i) नाटक में अनेक अंक हो सकते है।	(i) एकांकी में एक ही अंक होता है।
(ii) नाटक में पात्रों की संख्या अधिक होती है।	(ii) एकांकी में पात्रो की संख्या सीमित होती है।
(iii) नाटक में कथानक की विकास प्रक्रिया धीमी रहती है।	(iii) एकांकी में कथानक आरंभ से ही अपने लक्ष्य की ओर द्रुत गति से बढ़ता है।
(iv) नाटक में कथानक के चरित्र का क्रमशः विकास बताया जाता है।	(iv) एकांकी में कथानक का चरित्र तत्काल प्रकट हो जाता है।

4

क्र.

प्रश्न क्र॰(२२) का उत्तर

सूरदास :-

रचनाएँ :- सूरसागर, साहित्य लहरी।

भावपक्ष :-

सूरदास जी के ~~काव्य की मुख्य भाषा ब्रजभाषा है~~ भक्ति सख्य भाव की है। परन्तु उसमें दाम्पत्य तथा माधुर्य भाव के भी दर्शन होते है। वात्सल्य रस तथा श्रृंगार रस आपके प्रधान रस है। काव्य में बाल चरित्र-चित्रण बेजोड़ है। आपने संयोग तथा वियोग की स्थिति का मर्मस्पर्शी चित्रण किया है।

कलापक्ष :-

सूरदास जी के काव्य की मुख्य भाषा ब्रजभाषा है। आपके काव्य की भाषा सरल, सहज, सुशील व प्रवाहमय है। उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक तथा अनुप्रास आदि अलंकारों का सजग प्रयोग आपने अपने काव्य में किया है।

साहित्य में स्थान :- हिन्दी साहित्य जगत में आप वात्सल्य रस के सम्राट के रूपमें ~~सुविख्यात~~ सुवि,ख्यात है।

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र॰ (23) का उत्तर

प्रेमचन्द :-

रचनाएँ :- गोदान, कर्मभूमि, रंगभूमि।

भाषाशैली :-
प्रेमचंद जी ने व्यावहारिक खड़ी बोली के सहज, सरल, प्रवाहमय रूप में लेखन कार्य किया है। आपने अपनी भाषा में आकर्षण तथा चमत्कार लाने हेतु उर्दू भाषा के शब्दों का प्रयोग किया। आपने अपनी भाषाशैली को प्रभावशील तथा गतिशील ~~मन~~ बनाने हेतु लोकोक्तियों मुहावरों का यथास्थान प्रयोग किया। आपने विचारात्मक, भावात्मक तथा विश्लेषणात्मक शैली में अपनी रचनाएँ लिखी। आपका भाषा बोधगम्य, प्रवाहमय तथा रुचिकर है। अलंकारों का सहज प्रयोग भी आपने अपनी रचनाओं में किया।

साहित्य में स्थान :-
हिन्दी साहित्य जगत में कहानीकार व उपन्यास सम्राट के रूप में आप सुविख्यात है।

EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.(२४) का उत्तर

भर रही कोकिला ---------- हो वसंत?

संदर्भ :- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'नवनीत' के 'वीरों का कैसा हो वसंत' नामक पाठ से लिया गया है। ~~कवि~~ कवयित्री सुभद्राकुमारी चौहान इसकी रचयिता है।

प्रसंग :- कवयित्री प्रस्तुत अवतरण में वीरों के वसंत आयोजन में प्राकृतिक उल्लास के साथ स्वाभिमान तथा युद्ध आदि का वातावरण प्रदान करना चाहती है।

व्याख्या :- कवयित्री कहती है कि वीरों के वसंत आयोजन में एक ओर कोयल कुहक रही हो। दूसरी तरह युद्ध क्षेत्र में मारु बाजे पर संगीत का वातावरण हो। एक ओर राग-रंग का विधान हो, तो दूसरी तरह युद्ध का। अतः वीरों को यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें मृत्यु अर्थात् युद्ध का मार्ग चुनना है, या दूसरी ओर ~~विलासिका~~ विलासिता का जीवन व्यतीत करना है। इसका निर्णय पर वह स्वयं करेंगे कि उनका वसंत कैसा होना चाहिए।

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

विशेष :- (1) शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली में विषय का प्रतिपादन किया गया है।

(2) उपमा, अनुप्रास आदि अलंकारों का छटा दर्शनीय है। भाषा में ओज गुण है।

प्रश्न क्र॰ (25) का उत्तर (अथवा)

"हमारे देश तो ____________ भावना को ही"

संदर्भ :- प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक 'नवनीत' के 'मैं और मेरा देश' नामक पाठ से लिया गया है। इसके रचयिता कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' हैं।

प्रसंग :- कवि ने देश के लिए सौन्दर्य-बोध तथा शक्ति बोध की आवश्यकता का वर्णन किया है।

व्याख्या :- हमारे राष्ट्र को शक्ति बोध तथा सौंदर्यबोध की सबसे अधिक आवश्यकता है। हमें ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जिससे हमारे शक्तिबोध का ह्रास हो। तथा ऐसा

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

क्र.

कोई कुरुचिपूर्ण अर्थात् अनादरपूर्ण कार्य नहीं करना चाहिए। जिससे देश के सौन्दर्यबोध को चोट पहुँचे।

विशेष :- (i) शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली का प्रयोग किया गया है। तथा भाषा सरल, सुबोध व प्रवाहमय है।

(ii) शक्तिबोध तथा सौंदर्यबोध को देश की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है। भाषा में नैतिक स्वर विद्यमान है।

प्रश्न क्र. (26) का उत्तर

("आदर्श व्यक्ति ____ ______ दासी है।"

(i) उचित शीर्षक - 'आदर्श व्यक्ति'।

(ii) उपर्युक्त गद्यांश में वर्णित आदर्श व्यक्ति के गुणों का वर्णन किया गया है। वह कर्मशील, विश्राम व विनोद त्यागी, जन सेवक, है। कार्य करने की उसमें लगन होती है। उत्साह होता है। वह बड़े-2 संकट से घबराता नहीं है। वह परिस्थितियों का दास नहीं, परिस्थितियाँ उसकी दासी है।

16 [ ] + [ ] = [16]

पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ के अंक   कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र॰ (27) का उत्तर

"नगरपालिका अधिकारी को आवेदनपत्र"

सेवा में,
श्रीमान मुख्य नगरपालिका अधिकारी
जबलपुर, मध्यप्रदेश

विषय :- वार्ड में व्याप्त गंदगी को दूर करवाने हेतु बावत्।

महोदय,
सविनय विनम्र निवेदन है कि हमारी नगरपालिका परिसर में बहुत गंदगी व कूड़ा करकट व्याप्त है। उनकी नियमित रूप से सफाई भी नहीं होता है। परिणामस्वरूप कूड़े-करकट में मच्छर-मक्खियाँ पनप रही है। जो अनेक प्रकार के रोगों का कारण है।

श्रीमान जी से निवेदन है कि कृपया जबलपुर स्थित हमारी नगरपालिका में सफाई व्यवस्था करवाने का कष्ट करें।

धन्यबाद

दिनांक :- 22/03/2017

प्रार्थी
समस्त निवासीगण
जबलपुर

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्र. क्र.

प्रश्न क्र॰ (28) का उत्तर

(ब) राष्ट्रीय एकता

रूपरेखा :- 1. प्रस्तावना।
2. राष्ट्रीय एकता से अभिप्राय।
3. राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता।
4. राष्ट्रीय एकता में बाधक तत्व।
(i) साम्प्रदायिकता।
(ii) भाषागत समस्या।
(iii) जातिवाद।
(iv) क्षेत्रवाद।
5. बाधक तत्व को दूर करने के प्रयास।
6. उपसंहार।

5

(अ) पर्यावरण प्रदूषण

रूपरेखा :- (i) प्रस्तावना
(ii) प्रदूषण का अर्थ एवं अभिप्राय
(iii) प्रदूषण के प्रकार
(iv) प्रदूषण के कारण
(v) प्रदूषण की रोकथाम
(vi) उपसंहार

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

"अपनी हालत का कुछ अहसास नहीं मुझको,
औरों से सुना है परेशाँ हूँ मैं।
दुनिया में कुछ इस कदर छाया है प्रदूषण,
कि देखकर ये हाल हैरान हूँ मैं।।"

(i) प्रस्तावना :- पर्यावरण दो शब्दों से मिलकर से बना है परि+आवरण। जिसमें परि का अर्थ है- चारों ओर। तथा आवरण का अर्थ है - घेरा। अर्थात् पर्यावरण से अभिप्राय हमारे चारों ओर का घेरा जिसमें हम रहते है। तथा प्रभावित होते है। विज्ञान ने अत्यधिक प्रगति कर मानव को अनेक वरदान दिये है किन्तु विज्ञान की कुछ उपलब्धियाँ मानव जाति के लिए अनेक समस्या खड़ी कर रही है। जिसमें से एक है- प्रदूषण। प्रदूषण को कम कर पाने में मानव समर्थ नहीं है परन्तु प्रदूषण नियंत्रण तकनीक द्वारा इसे कम किया जा सकता है।

"बंजर धरती करे पुकार
बच्चे कम हो वृक्ष हजार"

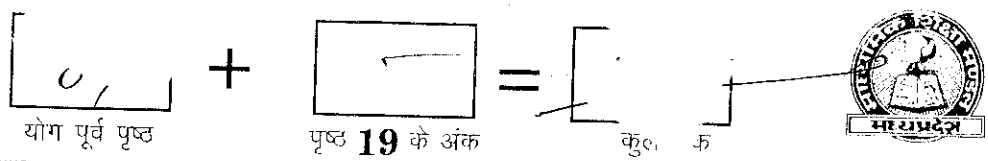

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

(ii) प्रदूषण का अर्थ :- प्रदूषण का अर्थ है- दोष उत्पन्न होना। अर्थात् मिट्टी, जल व वायु के भौतिक, रासायनिक व जैविक गुणों में अवांछनीय परिवर्तन से उनके दोष उत्पन्न होना, पर्यावरण प्रदूषण है। इससे आस-पास का वातावरण प्रदूषित व हानिकारक हो जाता है।

(iii) प्रदूषण के प्रकार :- प्रदूषण कई प्रकार के होते हैं। लेकिन मुख्यतः चार प्रकार यहाँ प्रस्तुत हैं। जो निम्नलिखित हैं-

(i) जल प्रदूषण :- जल जीवन का आधार है। जल में किसी भी अवांछनीय बाह्य पदार्थ का मिलना, जिससे उसकी शुद्धता में कमी आ जाती है। जल प्रदूषण कहलाता है। उद्योगों, कारखानों के जल का नदियों, तालाबों में मिलना जल प्रदूषण का कारण है।

(ii) वायु प्रदूषण :- उद्योगों, कारखानों से निकलने वाले धुये, हानिकारक गैसों जैसे - CO_2, SO_2, CO का मिलना, जिससे वायुमण्डल में गैसों का अनुपात बिगड़ता है। जिससे वायु प्रदूषण होता है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(iii) भूमि प्रदूषण :- भूमि एक सीमित संसाधन है इससे दुरुपयोग के परिणाम भयंकर हो सकते है। भूपटल में ऐसे हानिकारक पदार्थों का फैलाव जिनका प्रकृति द्वारा पुनः चक्रण नहीं होता तथा ये अपघटित भी नहीं होते, जिससे भूमि प्रदूषण फैलता है।

(iv) ध्वनि प्रदूषण :- वातावरण में व्याप्त कोई भी ध्वनि जो कानों को अप्रिय लगे, मानसिक क्रियाओं में विघ्न डाले अर्थात् शोर ही ध्वनि प्रदूषण का मुख्य रूप है। इससे मनुष्य बहरेपन, रक्तचाप, हृदयरोग, घबराहट आदि बीमारियों का शिकार हो जाता है।

(iv) प्रदूषण के कारण :- प्रदूषण का मुख्य कारण मानवीय क्रिया-कलाप है। जैसे शहरीकरण, औद्योगिकरण, वनों की कटाई, परमाणु बम विस्फोट, मोटर-वाहनों से होने वाला प्रदूषण। कुछ प्राकृतिक क्रियाएँ भी प्रदूषण फैलाती हैं। जैसे- भूकम्प, बाढ़, महामारी, सुनामी, भूस्खलन आदि।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
[redacted]	0 0 1	हिन्दी	22 03 17

[redacted] जायें

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

C. No. 142223

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक A- 2335085

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

अंकों में परीक्षार्थी का रोल नम्बर

1	7	1	4	4	3	7	3	3

शब्दों में [redacted]

निरीक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर आरती तिवारी Tiwari

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर R. [signature]

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक........ ....तक कुल प्राप्तांक + —

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESHBHOPAL

(V) <u>प्रदूषण की रोकथाम</u>:- प्रदूषण नियंत्रक तकनीकों के प्रयोग से प्रदूषण को रोका जा सकता है। वायु प्रदूषण होने से रोकने हेतु कल-कारखानों की चिमनियों की ऊँचाई बढ़ाकर, जीवश्म ईंधन जैसे- कोयला, पेट्रोलियम आदि के पूर्ण दहन की व्यवस्था करना चाहिए।

जल प्रदूषण रोकने हेतु रासायनिक उद्योगों को शहर से दूर स्थापित करना चाहिए। तथा उनका प्रदूषित जल उपचारित कर सिंचाई में उपयोग करना चाहिए।

भूमि प्रदूषण को नियंत्रित करने हेतु अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। प्लास्टिक, पॉलीथीन तथा कीटनाशक का उपयोग कम से कम करना चाहिए।

ों का योग

(2) [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ — पृष्ठ 2 के अंक — कुल अंक

प्रश्न क्र.

ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण रखते हेतु ध्वनि विस्तारक यंत्रों जैसे- डी.जे., हॉर्न, लाउडस्पीकर आदि पर रोक लगाना चाहिए।

(vi) उपसंहार :- पर्यावरण प्रदूषण हमारे देश की ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व की एक चिन्तनीय समस्या है। यदि समये रहते इसके समाधान के उपाये नहीं खोजे गये, तो सम्पूर्ण मानव जाति का भविष्य अंधकारमय हो सकता है। यदि किसी तकनीक से पर्यावरण प्रदूषण कम किया जासकता है तो उपयोग अधिक से अधिक करें। तथा उसे दूसरों को भी बतायें। अधिक से अधिक वृक्ष लगायें। क्योंकि
"वृक्ष धरा के आभूषण है
करते दूर प्रदूषण है।"